मंदिरों में हुए धार्मिक अनुष्ठान व भक्तिमय आयोजन

श्रद्धा और आस्था के साथ मनाई गई शनि जयंती

जबलपुर।

भगवान सूर्य और उनकी पत्नी छाया के पुत्र न्याय के देवता भगवान शनिदेव की जयंती गुरुवार को नगर के विभिन्न शनि मंदिरों में पूरी श्रद्धा ओर आस्था के साथ मनाई गई। भगवान शनिदेव का तिल व तेल से अभिषेक किया गया। काली उड़द से बने पकवानों का भोग लगाया गया। शनिदेव को न्याय के साथ-साथ भाग्य विधाता भी कहा गया है। चूंकि वे मनुष्य को उसके कर्मो के मुताबिक फल देते है इसलिए उन्हें न्याय का देवता कहा गया है।

शनि जयंती पर कल सुबह से ही नगर के विभिन्न शनि मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। लम्हेटा स्थित शनि मंदिर सदर बाजार स्थित भगवान शनिदेव और नवग्रह मंदिर श्री बगुलामुखी सिद्धपीठ स्थित नवग्रह में विराजमान शनिदेव, पुरानी चरहाई स्थित शनिदेव मंदिर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मंदिरों में शनिस्त्रोत का पाठ किया गया। तिल और तेल से भगवान का अभिषेक किया गया। साथ ही मंदिरों में हवन पूजन और भंडारों के आयोजन हुए। ऐसी पौराणिक मान्यता है कि शनि जयंती पर शनिदेव की आराधना करने से शनिदेव प्रसन्न होते है और अभीष्ठ फल प्रदान कर सुख शांति समृद्धि जीवन पर्यन्त प्रदान करते है।

शनि धाम तिलवारा घाट में हुआ महाअनुष्ठान

श्री शनिधाम तिलवारा घाट स्थित प्राचीन शनि देव मंदिर में श्री शनि प्रकटोत्सव महापर्व बहुत धूमधाम से मनाया गया। जबलपुर के सबसे प्राचीन नर्मदा तट पर स्थित शनि धाम तिलवारा घाट में शनि देव महाराज की जयंती के अवसर पर पं सतीश महाराज, पं अनिल मिश्रा ने प्रातः ब्रम्ह मुहूर्त में अभिषेक पूजन कराया। 8 बजे से श्री राम चरित मानस पाठ प्रारंभ हुआ। भगवान शनि देव का महाभिषेक, श्रृंगार, महाआरती, 56 भोग अर्पित किये गए। आयोजन की श्रृंखला में आज 28 मई को प्रातः 8 बजे से श्रीराम चरित मानस विश्राम, सुंदर काण्ड पाठ हवन-यज्ञ आरती प्रसाद वितरण होगा। पं सतीश महाराज ने शनि जयंती पर विशेष रूप से सरसों तेल से बना हुआ महाभोग भक्त जनों को दिन भर अनवरत वितरित किया। श्री शनिधाम तिलवारा मे इस अवसर पर पं सतीश महाराज, पं. अनिल मिश्रा, नितिन शर्मा ,विध्येश भापकर , नितिन भाटिया ,संजय तिवारी ,शुभम तिवारी, सोनू कुररिया, राज सिंह,नितेश राजपूत, हितेश पटेल, विवेक पाण्डेय, राकेश कुशवाहा , शिवा तिवारी, अशोक साहू, गणेश साहू, विजय पटेल, विजय ठाकुर,राजकुमार पटेल, लक्ष्मण पटेल, गौरव सेनी, ब्रजेश कुशवाह, सिद्धांत विनायक , करण भट्टाचार्य ,पट्टू उर्प्रीत, मनीष साहू ,आशीष विश्वकर्मा , रितेश शुक्ला ,ईश्वर दास ,अमित पटेल,मुकेश राठौर,अभिषेक ठाकुर , संदीप साहू ईशान शर्मा, सौरभ कुशवाहा , सचिन खटीक, मनोज ठाकुर, गेंदूलाल सेन ,भूरा जैन ,प्रदीप साहू आदि उपस्थित थे।

चेम्बर की पहल पर अब 10 ट्रांजेक्शन के बाद देय होगा शुल्क

जबलपुर। महाकोशल चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री को भारतीय रिजव बैंक से प्राप्त पत्रानुसार दस संचालन को निःशुल्क रखते हुए अतिरिक्त संचालनों पर शुल्क लगाने की जानकारी दी गई है। इस सम्बन्ध में ज्ञात हो कि महाकोशल चेम्बर द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को पत्र प्रेषित करते हुए बैंकों के पैसे निकालने पर फ्री लिमिट खत्म होने के बाद पूर्व के शुल्क 17 रुपए की जगह 19 रुपए निर्धारित किया गया था। इसके साथ ही बैलेंस इन्क्वायरी का चार्ज 06 रुपए से बढ़ाकर 07 रुपए किया गया है। महाकोशल चेम्बर द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को पत्र प्रेषित करते आपत्ति उठाई गई कि एक ओर तो भारत सरकार के मुद्रा विनिमय के डिजिटलाईजेशन का अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत आल टाइम मनी की स्थापना एवं संचालन को प्रारंभ किया गया। जिससे नगद भुगतान प्राप्त करने हेतू खाताधारक इन से भुगतान प्राप्त कर सके व इसके परिपेक्ष में संबंधित बैंकों पर अनावश्यक कार्यालीन भार में कमी लाई जाये। नगद भुगतान प्राप्त करने खाताधारकों के खाते में समुचित जमा राशि आवश्यक है जिस पर की बैंक द्वारा रेपो के तहत ब्याज का लाभ प्राप्त किया जाता है। इस प्रकार बैंकों का कार्यालीन खर्च कम होने एवं रेपो ब्याज सहित दोहरा लाभ प्राप्त होता है अतः बैंकों में अपने स्वयं की जमा राशि निकालने पर शुल्क लगाया जाना अव्यौवहारिक है, इसे समाप्त किए जाने की मांग की गई थी। चेम्बर अध्यक्ष रवि गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शंकर नाग्देव, कनिष्ठ उपाध्यक्ष युवराज जैन गढ़ावाल, मानसेवी मंत्री अखिल मिश्र, कोषाध्यक्ष हेमराज अग्रवाल, सहमंत्री गुलशन माखीजा, प्रभात जैन, समन्वयक राजेश चण्डोक, संगठन मंत्री अनिल जैन पाली, संयोजन मंत्री समीर पाल ने भारतीय रिजर्व बैंक एवं अन्य बैंकों पर शुल्क लगाने पर पुनः विचार कर निर्णय को वापिस लेने की गुजारिश की है।

मजदूरों के लिए लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

मयूर मेमोरियल ट्रस्ट और भूमिका फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में हुआ कार्यक्रम

जबलपुर। मयूर मेमोरियल ट्रस्ट एवं भूमिका फाउंडेशन के संयुक्त तत्वधान में चुंगी चौकी लालमाटी में श्रमिक वर्ग के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं को लाभ पहुंचाना था। शिविर में लगभग 130 लोगों की जांच की गई और उन्हें विभिन्न परामर्श एवं सेवाएं प्रदान की गईं। विभिन्न परामर्श के विशेषज्ञ विद्वानों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर आलोक मिश्रा एवं टीम (देव जी अस्पताल से), डॉ अविनाश बोस एवं डॉक्टर अंशुल गुलाटी (हितकारिणी डेंटल हॉस्पिटल से), डॉक्टर मालती भगत ,डॉक्टर दीपा अहिरवार टीम कैंप में मयूर मेमोरियल ट्रस्ट की प्रोजेक्ट मैनेजर ज्योति गौंटिया ने दी गई यह आयोजन समाज के वंचित वर्ग के स्वास्थ्य सशक्तिकरण हेतु किया गया है उन्होंने बताया की गया है कि ट्रस्ट इस प्रकार के जनहितकारी कार्य करता आ रहा है।शिविर में अतिथि के रूप में डॉक्टर कल्पना मिश्रा, सीके ठाकुर, संतराम रजक समाज सेवी उपस्थित सभी डॉक्टर एवं स्वास्थ्य कर्मियों का सम्मान मयूर मेमोरियल ट्रस्ट के सचिव गोविंद बिसेन एवं टीम के सदस्य भूमि दुबे,आशा जायसवाल,शुभा मिश्रा, खुशी पटेल, अमन गुप्ता, आयुष कुमार,नवमिता ठाकुर,आयशी गौंटिया, अनामिका तिलगाम,संगीता थापा, सेजल सोनी, अपूरती द्विवेदी, अमन गहरवार, श्रीजा सिंह,मोहिनी ठाकुर, शानवी गौंटिया,आलोक कुरील द्वारा किया गया। डॉक्टरों का सहयोग और समाज की सेवा भावना से ये शिविर एक सफल जनहितकारी कदम रहा।

नवोदित हॉकी खिलाड़ी इतिहास से भी हो रहे अवगत

जबलपुर।

एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड की केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में पाण्डुताल मैदान में आयोजित ग्रीष्मकालीन हॉकी प्रशिक्षण में नवोदित हाकी खिलाड़ी खेल की बारीकियों के साथ विश्व, देश व जबलपुर नगर के हाकी इतिहास की जानकारी भी प्राप्त कर रहे हैं।

प्रशिक्षण शिविर में प्रातः 6.00 से 8.30 बजे तक और शाम 5.00 से 7.00 बजे तक 18 नवोदित हॉकी खिलाड़ियों के साथ नियमित खिलाड़ी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। शविर में पांच लड़कियों ने भी उत्साह से अपनी सहभागिता दिखाई है। शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रविष्ट हुई लड़कियों का कहना है कि महिला हॉकी में नगर की अविनाश सिद्धू और मधु यादव सहित अन्य कई महिला हॉकी खिलाड़ियों के योगदान व उनकी प्रसिद्धि को देख कर उन्होंने भी हॉकी में अपनी संभावनाएं देखी हैं। केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव राजीव गुप्ता ने शिविर का निरीक्षण कर सभी प्रतिभागियों और प्रशिक्षकों का उत्साहवर्द्धन कर प्रोत्साहित किया।

हथकरघा के ताने-बाने में स्वावलंबन

श्रमदान अपनापन विक्रय केंद्र का शुभारंभ

जबलपुर। शहर में पारंपरिक वस्त्र निर्माण परंपरा को जीवंत रखने श्रमदान अपनापन हथकरघा विक्रय केंद्र की शुरुआत नौदरा ब्रिज के पास हुई है। इसके जरिये कारागार के 450 बंदियों के साथ ही 1500 ग्रामीणों को आजीविका का महत्वपूर्ण आधार मिला है। आचार्य श्री विद्यासागर महाराज एवं आचार्य समय सागर महाराज की प्रेरणा से शुरू किए गए इस विक्रय सेवा केंद्र के जरिये बंदियों को आत्म निर्भर बनाने की कोशिश की जा रही है।

शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि जस्टिस संजय द्विवेदी एवं पूर्व विधायक विनय सक्सेना उपस्थित थे।

संस्थान के ब्रम्हचारी गौरव भैया और रौनक भैया ने बताया कि, हथकरघा के जरिये कपड़ा बुनने की पुरानी विधि को जीवंत रखने के साथ ही विक्रय सेवा केंद्र के जरिए कई लोगों को लाभ होगा। जस्टिस संजय द्विवेदी ने इस प्रकल्प की सराहना करते हुए कहा कि यह केवल वस्त्र विक्रय केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक पुर्ननिर्माण और पुर्नवास की एक मिशाल है। इस अवसर पर जानकारी दी गई कि अनुसार यह अभिनव अभियान मध्यप्रदेश की 6 जेलों सहित तिहाड़ जेल (दिल्ली), सागर सेंट्रल जेल, बनारस सेंट्रल जेल, मिर्जापुर, आगरा एवं मथुरा जेल में जारी है। बताया गया है कि, इस अभियान के जरिए बंदी हथकरघा से कपड़ा बुनकर प्रति माह 8 हजार से 10 हजार तक की आय प्राप्त कर रहे हैं। हथकरघा के ताने-बाने में स्वावलंबन के संग संस्कृति की झलक है।

श्रमदान अपनापन न केवल 100 प्रतिशत हस्तनिर्मित, प्राकृतिक वस्त्रों की बिक्री का केंद्र है, बल्कि यह ग्रामीण भारत के पुनर्निर्माण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल है। शुभारंभ अवसर पर सामाजिक, अध्यात्मिक एवं प्रशासनिक क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियाँ उपस्थित रहीं।

समाज सुधारक थी देवी अहिल्या बाई होल्कर

जबलपुर। उच्च शिक्षा विभाग की मंशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल महाविद्यालय, जबलपुर, म.प्र. भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा "देवी अहिल्या बाई होल्कर" की 300वीं जंयती के अवसर पर व्याख्यान, चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि देवी अहिल्याबाई द्वारा महिला उत्थान के लिए महिला स्व-सहायता समूह के निर्माण एवं उनको प्रदान की गई। इस अवसर पर प्रो. अरुण शुक्ल ने बताया कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई के सशक्त नेतृत्व पर प्रकाश डालते हुये उनके विचार एवं दर्शन के बारे में बताया।

इस अवसर पर डॉ. ज्योति जुनगरे, डॉ. स्मिता बेलवंशी, डॉ. मानवेन्द्र सिंह यादव, डॉ. महेन्द्र कुमार कुशवाहा, डॉ. नजमुनिशा, डॉ. मिर्जा अख्तर बेग, डॉ. साजिदा खान, मनीष कुमार रघुवंशी के साथ महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहें।

डाक्टरों ने मनाया ऑपरेशन सिंदूर का जश्न

जबलपुर। आमतौर पर क्लिनिक और अस्पताल तक व्यस्त रहने वाले डाक्टर्स ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न हाथों में तिरंगा लेकर मना रहे हैं. सदर में इकट्ठा हुए शहर के इन नामवर डाक्टरों ने सेना के सम्मान में सलामी दी और कुछ वीर सैनिकों को शौर्य सम्मान से नवाजा. मानव अधिकार व अपराध नियंत्रण संगठन एवं पीएमपी चिकित्सा एसोसिएशन के बैनरतले आयोजित किए गए कार्यक्रम के दौरान डाक्टरों ने ज़रूरत पड़ने पर सरहद पर जाकर सैनिकों की निः शुल्क चिकित्सा सेवा करने का संकल्प लिया. इस मौके पर केन्ट विधायक अशोक रोहाणी, मानव अधिकार संगठन के अध्यक्ष समाजसेवी डा. अजय कुमार वाधवानी, डा. अभिषेक जैन, डा. अभिजीत जैन, डा. आशीष डेंगरा, डा. सरिता साहू, डा. मुकेश पाण्डेय, डा. शशिकांत साहू, डा. आरके. मिश्रा, डा. मकसूद चिश्ती, एड. आशीष त्रिपाठी, संजय जैन आदि की मौजूदगी उल्लेखनीय रही।

कृषि विवि में हुई वार्षिक-प्रक्षेत्र समीक्षा बैठक

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रक्षेत्र संचालनालय के सौजन्य से विश्वविद्यालय के मंथन हॉल में वार्षिक-प्रक्षेत्र समीक्षा बैठक कुलपति प्रो. प्रमोद कुमार मिश्रा के मुख्यआतिथ्य एवं संचालक अनुसंधान सेवाएं, डॉ. जी.के कौतू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। प्रो. प्रमोद कुमार मिश्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय की पहचान विभिन्न प्रक्षेत्रों में तैयार किये हुए बीज से मध्यप्रदेश में ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर जानी जाती है। समस्त प्रक्षेत्र प्रभारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि वह अपने सीमित साधनों का समुचित उपयोग करते हुए अपने तकनीकि ज्ञान से बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्रक्षेत्रों की उत्पादकत को बढ़ाऐं। इस अवसर पर डॉ. जी.के.कौतू ने कहा कि विभिन्न प्रक्षेत्रों में अनुसंधान की दिशा में स्थानियता को ध्यान में रखते हुए फसलवार बेहतर प्रयोग स्थापित करने का सार्थक प्रयास किया जाना चाहिए। संचालक प्रक्षेत्र डॉ. श्रीमति अनिता बब्बर ने प्रक्षेत्र प्रभारियों को उत्तम प्रजनक बीज उत्पादन हेतु समुचित मार्गदर्शन प्रदान किया साथ ही बीज उत्पादन के दौरान ध्यान में रखने योग्य विशेष सावधारियों का भी जिक्र किया। इस बैठक में लगभग 26 प्रक्षेत्रों के प्रभारियों ने 2024-25 की वार्षिक प्रगति एवं आगामी वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना को पॉवर प्वाईंट के माध्यम से विधिवत और बेहतर तरीके से प्रदर्शित किया। विभिन्न फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता को कैसे बढ़ाया जाए इस पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव, संचालक विस्तार सेवाऐं डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, लेखा नियंत्रक श्रीमती संजू तिवारी, विभागाध्यक्ष, समस्त प्रक्षेत्र प्रभारी एवं अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मोक्ष ने किया 3 शवों का अंतिम संस्कार

जबलपुर। मोक्ष मानव सेवा एंव जनउत्थान समिति ने कल तीन शवों का अंतिम संस्कार किया वहीं एक बीमार युवक व वृद्ध महिला को आश्रय दिया। अनूपपुर निवासी स्वरूप सिंह व उनकी पत्नी बबली बाई कल अपने दो वर्ष के बच्चे की पार्थिव देह लेकर शव का अंतिम संस्कार करने आर्थिक मदद का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही इसकी सूचना मोक्ष संस्था के आशीष ठाकुर को मिली। उन्होंने मोक्ष के कार्यकर्ताओं के साथ मासूम का तिलवारा में अंतिम संस्कार कराया। इसी तरह रिमझा निवासी 75 वर्षीय रामभरोसे का अंतिम संस्कार मोक्ष ने तिलवारा मुक्तिधाम में किया। एक 32 वर्षीय बीमार युवक व वृद्ध महिला को मोक्ष ने अपने आश्रय स्थान में शरण दी।

जनकपुरी टाउनशिप पहुंचे जगत के पालनहार

कलश यात्रा के दौरान हजारों की संख्या में उमड़ा जनसैलाब

जबलपुर। जनकपुरी प्रीमियम टाउनशिप स्थित श्री राम दरबार मंदिर में प्रभु श्री राम दरबार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर विशाल कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें प्रातः 10 बजे प्रीति कुंज परिसर (कोरलबुड) से हजारों की संख्या में महिलाएं कलश लेकर यात्रा में शामिल हुई। वहीं पुरुष सनातनी वेशभूषा में यात्रा में शामिल हुई। जिसकी अगुवाई द्वारकाशारदा पीठाधीश्वर जगद्गुरु शङ्कराचार्य स्वामी सदानन्द सरस्वती जी महाराज ने की। भव्य कलश का जगह - जगह स्वागत किया गया। जिसमें चहुंओर जय जय सियाराम का जयघोष गुंजायमान रहा। शोभायात्रा में ब्रह्मचारी सुबुद्धानंद जी,ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी ने सभी को आशीष प्रदान किया। जनकपुरी प्रीमियम टाउनशिप के पंकज पांडेय ने बताया कि श्री राम दरबार मंदिर का निर्माण सनातन धर्म का प्रचार और प्रभु की भक्ति,सेवा के लिए किया गया है। जिसमें श्री राम दरबार में प्रभु श्री राम,भैया लक्ष्मण,मां सीता सहित सेवन श्री हनुमान जी की मूर्ति स्थापित होने को है। साथ ही इस कलश यात्रा शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भारी मात्रा मे शामिल हुए।

वरिष्ठजनों को रेल सुविधाओं में पूर्वानुसार छूट प्रदान करने की मांग

जबलपुर। महाकोशल चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने श्री अश्विनी वैष्णव को पत्र प्रेषित करते हुए मांग रखी गयी है कि रेल मंत्रालय द्वारा पूर्वानुसार वरिष्ठ नागरिकों को क्रमशः 40 प्रतिशत एवं 50 प्रतिशत की छूट के बाद लोअर बर्थ प्रदान करने का प्रवधान था। जिसे किन्हीं कारणोंवश स्थगित किया गया। इस क्रम में वरिष्ठ नागरिकों को पूर्वानुसार छूट प्रदान करने का कष्ट करें। वैसे भी उम्र के इस पड़ाव में वरिष्ठ नागरिकों को अधिक सुविधा की आवश्यकता होती है। वर्तमान में चेम्बर के संज्ञान में आया है कि रेल मंत्रालय में यह सुविधा केवल साधारण एवं स्लीपर कोच में प्रदान किया जायेगा परंतु समाज के अति विशिष्ट प्रबुद्ध वरिष्ठ जनों की पूर्ववत वातानुकूलित श्रेणी में भी छूट प्रदान की जायें। चेम्बर अध्यक्ष रवि गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शंकर नागदेव, कनिष्ठ उपाध्यक्ष युवराज जैन गढ़ावाल, मानसेवी मंत्री अखिल मिश्र, कोषाध्यक्ष हेमराज अग्रवाल, सहमंत्री गुलशन माखीजा, प्रभात जैन, समन्वयक राजेश चण्डोक, संगठन मंत्री अनिल जैन पाली, संयोजन मंत्री समीर पाल रेल मंत्रालय द्वारा छूट की घोषणा की मांग की है ।

मुख्यमंत्री को भेड़ाघाट नगर परिषद अध्यक्ष ने ज्ञापन सौंपा

भेड़ाघाट। मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री मोहन यादव का भेड़ाघाट आगमन पर चर्चा उपरांत नगर परिषद अध्यक्ष चतुर सिंह लोधी, पूर्व अध्यक्ष पं. अनिल तिवारी, उपाध्यक्ष श्री जगदीश दाहिया विधायक प्रितिनिधि श्री ओमनारायण दुबे द्वारा भेड़ाघाट क्षेत्र के लम्हेटाघाट, गोपालपुर के मंदिरों के सौंदर्यीकरण के संबंध में पत्र सौंपा गया एवं भेड़ाघाट, लम्हेटाघाट, गोपालपुर घाट के समग्र विकास के लिये मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

पांचवीं और आठवीं कक्षा की पुनः परीक्षाएं 2 जून से राज्य शिक्षा केंद्र ने जारी की संशोधित समय-सारणी

परीक्षाओं का समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

राज्य शिक्षा केंद्र, मध्यप्रदेश द्वारा कक्षा पांचवीं एवं आठवीं के विद्यार्थियों के लिए सत्र 2024-25 की पुनः परीक्षा का संशोधित कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। अब यह परीक्षाएं 2 जून 2025 से प्रदेशभर के निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएंगी। इन परीक्षाओं का समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक निर्धारित किया गया है।

यह पुनः परीक्षा उन विद्यार्थियों के लिए रखी गई है जो मार्च-अप्रेल माह में आयोजित मूल्यांकन परीक्षा में न्यूनतम योग्यता अंक प्राप्त नहीं कर सके थे या किसी विशेष कारणवश परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो पाए थे। राज्य शिक्षा केंद्र का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी विद्यार्थी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अगली कक्षा में प्रोन्नति से वंचित न रह जाए। इस परीक्षा के माध्यम से ऐसे विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक क्षमताओं को पुनः सिद्ध करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और वे अपने शैक्षणिक सफर को सुचारु रूप से आगे बढ़ा सकेंगे।

ये है पांचवी की समय सारणी

डीपीसी ने बताया पांचवीं कक्षा के लिए संशोधित समय-सारणी के अनुसार, दो जून को प्रथम भाषा जैसे हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू एवं मराठी की परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके बाद तीन जून को गणित की परीक्षा होगी, जिसमें दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए संगीत विषय का विकल्प भी रखा गया है। चार जून को पर्यावरण अध्ययन, पाँच जून को द्वितीय भाषा (अंग्रेजी या हिंदी), तथा छह जून को तृतीय भाषा जैसे हिंदी, संस्कृत, उर्दू या पंजाबी की परीक्षाएं होंगी।

आठवी के एग्जाम 9 जून तक

आठवीं कक्षा की परीक्षाएं भी दो जून से शुरू होंगी। पहले दिन प्रथम भाषा (हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, मराठी) की परीक्षा होगी। तीन जून को गणित, चार जून को विज्ञान, पांच जून को सामाजिक विज्ञान, छह जून को द्वितीय भाषा और नौ जून को तृतीय भाषा की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। तृतीय भाषा में संस्कृत, हिंदी, उर्दू, मराठी, उडिया, पंजाबी और गुजराती जैसे विकल्प विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध रहेंगे।

दिशा निर्देश जारी किए

परीक्षा के सफल संचालन को सुनिश्चित करने हेतु शिक्षा विभाग ने समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, संकुल प्राचार्यों, विद्यालय प्रमुखों और शिक्षकों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। विभाग ने परीक्षा के दौरान पूर्ण अनुशासन, गोपनीयता और पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष बल दिया है। परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था, बैठने की उचित व्यवस्था, पेयजल, शौचालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने की तैयारी जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है।

आत्मविश्वास व एकाग्रता बनाए रखे

इसके अतिरिक्त शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन ने सभी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से यह अपील की है कि वे परीक्षा की तिथियों को गंभीरता से लें, समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचें और परीक्षा की संपूर्ण तैयारी करें। विद्यार्थियों को यह भी सलाह दी गई है कि वे परीक्षा के समय संयम, आत्मविश्वास और एकाग्रता बनाए रखें ताकि वे अपने प्रदर्शन में सुधार कर सकें।

दोबारा मिल रहा खुद को साबित करने का मौका

राज्य शिक्षा केंद्र का यह प्रयास उन विद्यार्थियों के लिए एक नया अवसर है, जो किन्हीं कारणों से पहले सफल नहीं हो पाए थे। यह कदम न केवल विद्यार्थियों को दोबारा खुद को साबित करने का मौका देता है, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में समावेशिता और समान अवसरों की दिशा में एक सकारात्मक पहल भी है। परीक्षा परिणामों के आधार पर योग्य विद्यार्थियों को अगली कक्षा में प्रवेश मिलेगा, जिससे उनका शैक्षणिक सफर बिना किसी बाधा के आगे बढ़ सकेगा।

फसलों में ज्यादा यूरिया का उपयोग बना रहा मिट्टी को बीमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर।

कृषि भूमि में यूरिया का अत्यधिक इस्तेमाल मिट्टी की सेहत बिगाड़ रही है। जमीन में नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश और जिंक की कमी होने लगी है। इसके साथ ही मानव स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है। किसानों का असंतुलित खाद डालने का लोभ सब पर भारी है। मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला की वर्ष 2024-25 की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है।

इस पर कृषि वैज्ञानिकों और अधिकारियों ने चिंता जाहिर करते हुए किसानों को संयमित व्यवहार करने की सलाह दी है। खरीफ सीजन अगले माह 15 जून को मानसूनी बारिश के साथ शुरू हो जाएगा।

मानव स्वास्थ्य पर असर

किसानों को मक्का समेत अन्य फसलों में एक एकड़ में दो बोरी यूरिया की जरूरत है। वे ज्यादा उत्पादन के लोभ में बेहिसाब 5-6 बोरी तक इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे पौधे की ग्रोथ समय से ज्यादा होने पर फसल लेट रही है। फसल की लागत भी दोगुनी हो रही है। ये उपज जब मानव आहार बनती है तो उनके स्वास्थ्य पर भी विपरीत असर पड़ता है।

अपचन, गैस समेत कैंसर से बदला खान-पान का ट्रेंड

खेती में रासायनिक खाद के अत्यधिक इस्तेमाल से जैसे-जैसे अपचन, गैस, कैंसर की बीमारियां सामने आ रही है, वैसे-वैसे खान-पान का पुराना ट्रेंड वापस लौट रहा है। सरकार भी प्राकृतिक खेती को बढ़ाने का लक्ष्य तय कर रही है। लोग चाहते है कि उन्हें स्वस्थ अनाज का भोजन मिले। वे जैविक सब्जी-अनाज ढूंढ रहे हैं।

मृदा कार्बनिक के साथ जिंक की सर्वाधिक कमी

रिपोर्ट के अनुसार जिले के किसानों से उनके खेतों की मिट्टी के नमूने लिए गए। इनमें सबसे ज्यादा मृदा कार्बनिक व जिंक तत्व की कमी पाई गई है। शेष तत्व आयरन, मैगनीज, कॉपर, सल्फर और बोरान की स्थिति संतोषजनक है। कृषि अधिकारियों के मुताबिक नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश की कमी भी बनी हुई है, जिसे किसान अनदेखा कर रहे हैं।

एनपीके और जिंक के संतुलित इस्तेमाल से सुधार

खेती में यूरिया के इस्तेमाल से केवल नाइट्रोजन और डीएपी से नाइट्रोजन, फास्फोरस की पूर्ति होती है। पोटाश, जिंक की कमी बनी रहती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यदि किसान एनपीके और जिंक का संतुलित इस्तेमाल कर लें तो मिट्टी की सेहत सुधर सकती है।

शनि मंदिरों में दिनभर लगा रहा भक्तों का तांता

सिहोरा। शनि जयंती पर नगर उपनगर के सभी शनि मंदिरों में दिनभर भक्तों का तांता लगा रहा। पुजारी पंडित रामकुमार उपाध्याय ने बताया सुबह से भक्त गण भगवान शनिदेव का पूजन अर्चन अभिषेक करने आतुर नजर आये। भीड़ इतनी अधिक थी की सभी भक्तगणों ने कतारबद्ध होकर पूजन कर आशिर्वाद प्राप्त किया। नगर के सिविल कोर्ट के पास,दुर्गा मंदिर एंव रेलवे स्टेशन के पास स्थित शनि मंदिरों में न्याय के देवता का पूजन अर्चन करने सुबह से भक्तों का तांता लगा रहा तथा दिनभर भंडारे के प्रसाद का वितरण चलता रहा भक्तों के लिए कोर्ट के सामने स्थित शनि मंदिर विशेष महत्व रखता है जिस कारण हर शनिवार को भगवान को तेल एंव अन्य सामग्री अर्पित करने भक्तों की लाइन लगी रहती है। आयोजन को सफल बनाने में मंदिर समिति के सदस्य जगदीश दुबे,मक्खन पटेल,राकेश यादव,पप्पू सैनी,मुकेश विश्वकर्मा,लवकुश श्रीवास,पिंकू दाहिया,प्रकाश सेन आदि का योगदान रहा।

साथी अभियान चलाने हुई आवश्यक बैठक

बरगी नगर। सुप्रीम कोर्ट की पहल तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर की न्यायाधीश सचिव श्रीमती शक्ति वर्मा के निर्देशन तथा मार्गदर्शन में अभियान कार्यक्रम चलाए जाने के संबंध में सच्चा प्रयास समिति बरगी नगर के संयोजन में महिला एवं बाल विकास विभाग बरगी के साथ एक आवश्यक समन्वय बैठक का आयोजन बरगी नगर में किया गया। बैठक में परियोजना अधिकारी गौरी शंकर लौवंशी, सुपरवाइजर कल्पना नामदेव,श्रीमती अर्चना ढोके पर्वेक्षक बरेला, श्रीमती अंकिता अंबाडे पर्यवेक्षक सुकरी ,श्रीमती गीता कुरील पर्यवेक्षक सालीवाडा गौर ब्लॉक कोऑर्डिनेटर मैडम श्रीमती रेनू वर्मा की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। अभियान की जानकारी देते हुए बैठक में उपस्थित सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहायिकाओं को परियोजना अधिकारी श्री लौवंशी तथा श्री खान ने बताया गया कि बेसहारा बच्चों को उनकी पहचान दिलाने की पहल की गयी है. सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर डालसा के द्वारा साथी अभियान के तहत जिले के सुदूर क्षेत्र के आदिवासी, एवं अन्य सभी गांव में यह अभियान चलाया जायेगा. इस कड़ी में महत्वपूर्ण भूमिका पैरा लीगल वॉलिंटियर्स मित्रों तथा सामाजिक संस्थाओं के कार्यकर्ताओं की रहेगी।टीम में शामिल सामाजिक कार्यकर्ता तथा पी एलबी मित्र अपने क्षेत्र में पड़ने वाले पोषक क्षेत्र में उन बच्चों को पहचान करेंगे, जिनके माता-पिता अब इस दुनिया में नहीं हैं. या फिर किसी कारण से उनके दूर हैं।

प्रदेश कार्य समिति सदस्य के घर के बाहर हुआ शंख-घंटा बजाकर प्रदर्शन

विगत डेढ़ साल से भाजपा नेता जिला का आश्वासन बस दे रहे

हरिभूमि सिहोरा।

सिहोरा को जिला बनाने की मांग पर लगातार प्रदर्शन कर रहे आंदोलनकारियों ने आज अपना चौथा प्रदर्शन भी जारी रखा। आंदोलन समिति के सदस्यों ने भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजा मोर के बस स्टैंड सिहोरा स्थित आवास के बाहर घंटो तक शंख घंटा बजाकर सिहोरा जिला मामले में उनकी चुप्पी पर कड़ा प्रहार किया ।समिति ने प्रश्न उठाया कि सिहोरा से राजनैतिक और आर्थिक पहचान प्राप्त करने के बाद भी सिहोरा जिला मुद्दे पर वे मौन क्यों है?

विधायक के नेतृत्व में प्रयास जारी

प्रदर्शन कर रहे समिति के सदस्यों से प्रदेश कार्य समिति सदस्य ने कहा कि सिहोरा विधायक संतोष बरकड़े के नेतृत्व में सिहोरा को जिला बनाने की प्रक्रिया हेतु संपूर्ण सिहोरा भाजपा प्रयासरत है।हमारा प्रयास है कि सिहोरा जिला का प्रस्ताव जबलपुर कलेक्टर से पुनर्गठन आयोग एवं सरकार को भेजा जाए।

संतुष्ट नहीं हुए प्रदर्शनकारी

प्रदेश कार्य समिति सदस्य द्वारा दिए गए आश्वासन से समिति के सदस्य संतुष्ट नहीं हुए ।उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद से लगातार डेढ़ वर्षो से इस तरह के आश्वासन भाजपा के पदाधिकारियों और विधायक द्वारा दिए जा रहे है परंतु आज दिनांक तक कोई भी आश्वासन पूर्ण नहीं किया गया। इसलिए वे अपने प्रदर्शन पर कायम है।समिति ने कहा कि 6 जून को सिहोरा में विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा । आज बुधवार को पूर्व मंडल अध्यक्ष माधव मिश्रा के घर के बाहर प्रदर्शन किया जायेगा।

इनकी रही उपस्थिति

प्रदर्शन के दौरान समिति के नागेंद्र कुररिया, अनिल जैन, विकास दुबे, संतोष पांडे, रामजी शुक्ला, प्रदीप दुबे ,रामजी शुक्ला,संजय पाठक, संतोष तिवारी, कुक्कू गुप्ता, जितेंद्र श्रीवास, रामनरेश चौबे, निसार अहमद, मोहन सोंधिया, शरद सेठ, नत्थू पटेल सहित अनेक सिहोरा वासी मौजूद रहे।

बच्चे-युवा सीख रहे राष्ट्रीय खेल की बारीकियां

जबलपुर। शासकीय विज्ञान महाविधालय के हॉकी ग्राउंड में खेल युवक कल्याण विभाग के मार्गनिर्देशन में व मार्बल रॉक हॉकी क्लब एवं शासकीय विज्ञान महाविधालय के संयुक्त तत्वाधान में ग्रीष्मकालीन हॉकी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 01.05.2025 से नियमित रुप से जारी है। इस शिविर में 05 वर्ष से लेकर 20 वर्ष तक के बालक-बलिकाएँ भाग ले रहे है शिविर के दौरान बच्चों को हॉकी की बेसिक बारीकियॉ सिखलाई जा रही है जैसे – स्टापिंग, हिटिंग, पुशिंग, ड्रिबलिंग, पेनाल्टी कार्नर, स्कूप, प्लेयिंग पोजीशन के साथ-साथ हॉकी के वर्तमान नियमों एवं मैच खेलने की तकनीक को सिखाया जा रहा है। शिविर में भाग ले रहे बच्चों को हॉकी की ट्रेनिंग के साथ-साथ अनुशासन व शिक्षा पर विशेष तौर से बताया जा रहा है हॉकी शिविर में भाग ले रहे बच्चों को कोच एल्विन सुशील कुमार पूर्व रेलवे खिलाड़ी व अशरफ अली मध्य प्रदेश पुलिस नियमित रुप से प्रतिदिन प्रशिक्षण दे रहे है। शिविर के दौरान समय-समय पर वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी औंकार दुबे (क्रीड़ा अधिकारी) द्वारा अपने अनुभवों का लाभ शिविर में भाग ले रहे बच्चों को दिया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर को संचालित करने में वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी डॉ रमेश शुक्ला, मार्बल रॉक क्लब के अध्यक्ष अजय मार्को, हॉजी सैय्यद हैदर अली लायन पप्पी खान, डॉ विशाल बन्ने, डीएसपी प्रभुल्ल श्रीवास्तव, आरिफ अली, जय रोहाणी, हसन अली, आकाश रैकवार, असलम अली, डेनिस लाल, रजनीश गौतम, अफसर अली का विशेष योगदान दे रहे है।

लोक कल्याण के लिए पहल: सरस्वती घाट एवं पंचवटी घाट पर बनाए गए चेंजिंग रूम

भेड़ाघाट। महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सरस्वती घाट एवं पंचवटी घाट, भेड़ाघाट में 5 चेंजिंग रूमबनाए गए। यह कार्य महंत श्री दत्त जी महाराजकी प्रेरणा से अखिल भारतीय ब्राह्मण एकीकृत परिषद की जबलपुर जिलाध्यक्ष ममता दिवाकर पयासी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इन चेंजिंग रूमों को भेड़ाघाट नगर परिषद को औपचारिक रूप से सौंपा गया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष चतुर सिंह लोधी पार्षद संध्या सिंह,विधायक प्रतिनिधि ओम नारायण दुबे जिला उपाध्यक्ष पंडित अंजू भार्गव MIC सदस्य एवं पार्षद पंडित सुभाष तिवारी, पंडित संदीप गुरु, पंडित राम विनय करसोलीया, पंडित राघवेंद्र शुक्ल, पंडित शिव कुमार त्रिपाठी, घनश्याम बबेले, पंडित भगवती भारद्वाज, पंडित पुष्पा दुबे, पंडित राम दुबे, कपिल दुबे , संजय गौतम, शक्ति शुक्ला, कृष्णकांत दुबे (सपरिवार), एडवोकेट विनय पांडे (सपरिवार), दिवाकर पयासी समेत अनेक विप्र बंधु एवं मातृशक्ति उपस्थित रहीं।

श्रीमति कुसुम बड़ेरिया -

हाथीताल स्टेट बैंक कालोनी निवासी द्वारका प्रसाद बड़ेरिया की धर्मपत्नी राजेश बड़ेरिया, अवधेश बड़ेरिया की मां एवं शंभुदयाल बड़ेरिया की भाभी ओर राजीव बड़ेरिया, सौरभ बड़ेरिया की बड़ी मां श्रीमति कुसुम बड़ेरिया का 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया। इनका अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मुक्ति धाम हथियाल कॉलोनी में किया गया।

श्रीमति बिसरती बाई श्रीवास

-सिहोरा, वार्ड क्रमांक 11 वर्कशॉप निवासी श्रीमती बिसरती बाई श्रीवास का 65 साल की उम्र में निधन हो गया। अंतिम संस्कार बाबाताल स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वे प्यारेलाल श्रीवास की पत्नी एंव भगवानदास, संतोष श्रीवास की मां थी।

श्री रमेश सोनी- आईटीआई माढ़ोताल बुंदेला बाबा मंदिर के पास निवासी श्री रमेश सोनी (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री शिव चौधरी- बाबा टोला निवासी श्री प्रेमलाल चौधरी के पुत्र श्री शिव चौधरी (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती उमरावती देवी- राजुल स्टेट परियट पनागर रोड निवासी श्री रामेश्वर सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती उमरावती देवी (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नरेंद्र कुमार ग्रोवर- प्रगति होम्स हाथीताल निवासी श्री नरेंद्र कुमार ग्रोवर (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री ओपी लाल- सुहागी स्थित पंजाब एंड सिंध बैंक के पीछे निवासी श्री ओपी लाल (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री स्वर्ण कुमार वर्मा- कांचघर श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री धनीराम वर्मा के पुत्र श्री स्वर्ण कुमार वर्मा (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सुरेंद्र दुबे- शक्तिनगर सैनिक सोसायटी निवासी श्री सुरेंद्र दुबे का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती पंचवटी चौधरी- रविदास नगर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री रमेश प्रसाद चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती पंचवटी चौधरी (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कविता गुप्ता- ओझा कम्पाउंड राइट टाउन निवासी श्री पुनीत गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती कविता गुप्ता (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
फिक्स साइज:- से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

इल्म एक रोशनी है जिसकी उपस्थिति में आप अपना रास्ता ढूंढ सकते हैं : सिद्दीकी

जबलपुर। अल अजरा इंस्टिट्यूट ऑफ़ कॉमर्स जबलपुर की जानिब से मेघावी 12वीं छात्र छात्राओं को मोमेंटम देकर सम्मानित किया गया उनकी हौसला अफजाई की गई इस अवसर पर बोलते हुए सीए सिद्दीकी जस्टिस एम एस ए सिद्दीकी फ़ाउन्डेशन ने कहा कि इल्म आपको रास्ता बताता है उसकी रोशनी में आप अपना रास्ता तय कर सकते हैं बगैर इल्म के इंसान अधूरा है वह अपनी मंजिल तक कभी नहीं पहुंच सकता उक्त उद्बोधन मुख्य अतिथि के रूप में अल अजरा इंस्टिट्यूट ऑफ़ कॉमर्स की सभा में संबोधित करते हुए कहे इसके साथ ही इब्राहिम मंसूरी असिस्टेंट मैनेजर यूनियन बैंक ने बच्चों के बीच अपने अनुभव शेयर किया और उनकी हौसला अफजाई की बच्चों के आगे के भविष्य के बारे में मालूमात शहजादा सलीम साहब ने दिए 12वीं के बाद बच्चों को क्या करना चाहिए इस सिलसिले में गाइडेंस दी अलीम मंसूरी सीए ने भी बच्चों को अपने भविष्य में यदि सीए करना चाहते हैं तो उनको गाइड किया न्याज हनफी साहब ने कहा कि तालीम अपनी जगह है लेकिन उसकी तालब की कोशिश ही आपको कामयाब करेगी समाजसेवी इरफानुलहक अंसारी ने अपनी बात रखते हुये कहा की कुरबानी के बाद ही सफलता हासिल होती है अलीमा अख्तर, अल्फिया एमान, शाइफा अली ,निशात अली, सानिया आदि को मोमेंटम देकर सम्मानित किया गया अल अजरा इंस्टिट्यूट ऑफ़ कॉमर्स के संचालक जावेद हनफी ने इस प्रोग्राम का आयोजन किया सभा का संचालन कुमारी आरिशा और फैसल ने किया इस सफल आयोजन मैं मंसूरी एजुकेशन सुसाईटी के सचिव महमूद भारती का सहयोग रहा आयोजन मैं विशेष रूप से मास्टर सत्तार खान गोल्ड मैडिलिस्ट आदि उपस्थित रहे।

बाईक की टक्कर से लूना सवार घायल

जबलपुर। रांझी थाना अतंर्गत बड़ा पत्थर में एक बाईक ने एक लूना में सामने से टक्कर मार दी, जिससे लूना सवार युवक घायल हो गया और उसकी लूना भी क्षतिग्रस्त हो गई। रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़ा पत्थर रांझी निवासी 44 वर्षीय चंद्रकिशोर रैकवार गत रात लगभग 9 बजे अपनी लूना टीव्हीएस एक्सल क्रमांक एमपी 20 एस क्यू 1185 से फेरी लगाकर आईसक्रीम बेचते हुए रक्षानगर से घर जा रहा था।

नाबालिग पर बदमाशों ने किया तलवार से हमला

जबलपुर। हनुमानताल थाना अतंर्गत सरकारी कुआं काली मंदिर के पास एक 15 वर्षीय बालक पर एक्सिस में आए तीन अज्ञात बदमाशों ने शराब पीने के लिए रुपए की मांग कर तलवार से हमला कर घायल कर दिया। घायल को उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हनुमानताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गौतमनगर बेलबाग निवासी 15 वर्षीय मोह. रियान देर रात लगभग 12.15 बजे सरकारी कुआं काली मंदिर के पास से मटका फुल्की लेकर वापस घर आ रहा था, तभी काली मंदिर के पास रोड़ में सफेद रंग की एक्सिस में तीन अज्ञात व्यक्ति आये जो उसे देखकर गाड़ी रोके और उससे शराब पीने के लिये पैसो की मांग करने लगे, पैसे देने से मना करने पर तीनों गाली गलौज करने लगे और एक्सिस में पीछे व्य0क्ति ने तलवार से उसकी हाथ की कलाई पर हमलाकर घायल कर दिया। पुलिस ने अज्ञात तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 119(1), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

जबलपुर। पनागर थाना अतंर्गत मुड़िया रोड पनागर में सड़क दुर्घटना में घायल एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार महाराजपुर बाबली अधारताल निवासी 38 वर्षीय उमेश कोल उर्फ उसली कोल का देर रात लगभग 1 बजे मुड़िया रोड पनागर में एक्सीडेंट हो जाने की सूचना मिलने पर उसका छोटा भाई मुकेश कोल परिवार सहित मौके पर पहुंचा और अपने बड़े भाई उमेश कोल को घायल अवस्था में उपचार के लिए शासकीय अस्पताल पनागर लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टर ने चैक कर उमेश कोल को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी
सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर
पत्रांक-स.क्र. 11/19-20/ दिनांक 27-05-2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति काजल दीवान पति श्री योगेश चन्द दीवान ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई वार्ड के भवन क्रमांक -1056/76 मॉडल टाउन बिलहरी सम्पत्ति पिन क्रमांक 1000386139 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल/रकबा 900 वर्गफुट जिस पर निर्मित भूतल 680 वर्गफुट, प्रथम तल 540 वर्गफुट विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री अनिल सुनील सुलख्यि पिता श्री जगदीश प्रसाद सुलख्यि का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.11
नगर निगम, जबलपुर

शाह ने की सांस्कृतिक राजनीतिक कार्यक्रमों में शिरकत

सावरकर को बताया देश का महान स्वतंत्रता सेनानी

एजेंसी ▶▶ नादेड़

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को मुंबई दौरे पर हैं। यहां पर वे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। अपनी यात्रा की शुरुआत करते हुए शाह माधवबाग में श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर की 150वीं वर्षगांठ समारोह में शामिल हुए।

इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के भी मौजूद रहे। दोपहर में शाह स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर की 60वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में मुख्य व्याख्यान दिया। उन्हें देश का महान सपूत बताया। यह कार्यक्रम मुंबई विश्वविद्यालय के सर कावसजी जहांगीर हॉल में आयोजित किया गया।

भारत अब पीछे नहीं देखेगा

शाह ने कहा कि भारत को 2047 तक पूर्ण विकसित और हर क्षेत्र में सर्वप्रथम बनाने का विश्वास प्रधानमंत्री मोदी जी ने दिलाया है। गृह मंत्री ने कहा कि भारत को अब न पीछे मुड़कर देखने और न ही रुकने की जरूरत है।

महायुति गठबंधन सहयोगियों के साथ बंद कमरे में की बात

शाह की मुंबई यात्रा में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और महायुति गठबंधन सहयोगियों के साथ बंद कमरे में बैठकें भी शामिल हैं, क्योंकि पार्टी महत्वपूर्ण बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों से पहले रणनीति बना रही है। मंगलवार दोपहर बाद उनके दिल्ली लौटने की उम्मीद है। मुंबई पहुंचने से पहले शाह सोमवार को नागपुर में थे, जहां उन्होंने राष्ट्रीय कैंसर संस्थान में कैंसर रोगियों और उनके परिवारों के लिए आवासीय सुविधा स्वस्ति निवास की आधारशिला रखी। बाद में वे मराठवाड़ा क्षेत्र के नांदेड़ गए, जहां उन्होंने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री वसंतराव नाइक की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। शाह ने क्षेत्र में कुछ भाजपा कार्यालयों का भी उद्घाटन किया, जहां बंजारा समुदाय के सदस्यों ने उनका स्वागत किया।

उद्धव पर साधा निशाना, प्रतिनिधि मंडल को बारात बता रहे

उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को उजागर करने के लिए 33 वैश्विक राजधानियों में भेजे गए सरकार के बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों को महज 'बारात' (शादी का जुलूस) कहने के लिए उद्धव सेना की आलोचना की। शाह ने कहा कि मुझे समझ में नहीं आता कि उद्धव सेना को क्या हो गया है? वे इन प्रतिनिधिमंडलों को बारात कह रहे हैं, जबकि उनके अपने सदस्य इसका हिस्सा हैं। गृह मंत्री शाह का दो दिवसीय महाराष्ट्र दौरा आगामी निकाय और विधानसभा चुनावों से पहले राज्य भर में अपनी स्थिति मजबूत करने के भाजपा के प्रयासों को रेखांकित करता है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का किया बखान

गृह मंत्री शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने न केवल पाकिस्तान, बल्कि पूरी दुनिया को एक मजबूत संदेश दिया है कि भारत अपने सशस्त्र बलों, नागरिकों और सीमाओं पर किसी भी खतरे को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई हमारी सीमाओं में घुसने का प्रयास करता है या हमारे नागरिकों को नुकसान पहुँचाने की कोशिश करता है, तो उसे कड़े परिणामों का सामना करना पड़ेगा।इस प्रकार शाह ने स्पष्ट किया कि भारत की सुरक्षा और संप्रभुता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता अडिग है।

शिवसेना के नेताओं को क्या हो गया? यह बाबा साहेब वाली पार्टी तो नहीं

नांदेड़ में शंखनाद रैली में गृहमंत्री शाह ने कहा कि शिवसेना उद्धव गुट के एक प्रमुख नेता ने विदेश जा रहे प्रतिनिधिमंडल पर सवाल उठाते हुए कहा कि ये किसकी बारात जा रही है? शिवसेना कभी बाला साहेब ठाकरे की पार्टी थी। अगर वे आज जीवित होते, तो मोदी को गले लगाते।

खबर संक्षेप

व्यापारियों व एमएसएमई को फिनटेक दे रही बल

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत की फिनटेक कंपनियां देश के

डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चरको आगे बढ़ाने और व्यापारियों के साथ-साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को सशक्त बनाने में मदद कर रही हैं। सीतारमण ने फिनटेक कंपनी 'पाइन लैब्स' के कार्यालय का दौरा किया और इसके स्टाफ सदस्यों से बातचीत की।

विवाद में रिटा.इंजीनियर ने चबा ली सचिव की नाक

कानपुर। नारामऊ स्थित रतन प्लैटनेट अपार्टमेंट में पार्किंग के विवाद में रविवार शाम सेवानिवृत्त इंजीनियर और सोसाइटी के सचिव

से मारपीट कर उनकी नाक चबा ली, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़े। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। उनके बेटे ने उन्हें रीजेंसी अस्पताल में भर्ती कराकर आरोपी के खिलाफ तहरीर देते हुए बिठूर थाने में केस दर्ज कराया है।

बंदरों से जान बची तो छात्रा दूसरी मंजिल से गिरी

हापुड़। गर्मी बढ़ते ही हापुड़ जिले में कुत्तों और बंदरों का आतंक भी लगातार बढ़ रहा है। आए दिन वह अपना किसी ना किसी को शिकार बना रहे हैं। अब रविवार की देर रात

कस्बे के मोहल्ले कुरेशियान की रहने वाली छात्रा छत पर बैठकर पढ़ाई कर रही थी।इसी दौरान बंदरों के झुंड ने उस पर हमला कर लिया। वह डरकर भागी तो छत से नीचे जमीन पर जा गिरी। उसकी मौत हो गई।

कई वाहन जब्त, 7.20 लाख रु. का जुर्माना

नारनौल। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा निर्देश अनुसार जिले में खनन कार्य पूरी

पारदर्शिता ms किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा गठित की गई टास्क फोर्स लगातार छापे मार कार्रवाई कर रही है। 7 दिन में 978 वाहनों की चेकिंग की गई। 3 वाहनों को जब्त किया गया।टीम ने 978 वाहनों की जांच की। इस दौरान 7.20 लाख का जुर्माना लगाया है।

वृंदावन श्रीबांके बिहारी सुनवाई 29 जुलाई को

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से मंदिर कॉरीडोर को लेकर 26 मई के अध्यादेश की कॉपी मांगी है। साथ ही सरकार से हलफनामा भी मांगा गया है। इस मामले की

सुनवाई अब सुप्रीम कोर्ट 29 जुलाई को करेगा। याचिकाकर्ता के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि मंदिर की जमा पूंजी और निजी संपत्ति का इस्तेमाल ऐसे नहीं हो सकता।

पीएम मोदी ने महात्मा मंदिर में 5,536 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी

हमें अपने ब्रांड पर खासकर मेड इन इंडिया पर गर्व होना चाहिए, हम आतंकियों का खात्मा करके रहेंगे

एजेंसी ▶▶ नादेड़

अब विदेशी चीजों की निर्भरता छोड़कर स्वदेशी को ही अपनाएं

अपने दो दिवसीय गुजरात दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात में पिछले दो दशकों में सुधार कार्यों से जुड़े एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान, गांधी नगर के महात्मा मंदिर में 5,536 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि हमें अपने देश के ब्रांड पर गर्व करना चाहिए। हमें मेड इन इंडिया पर गर्व करना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा कि हम अपनी जरूरत की ज्यादातर चीजों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहे हैं। पर ये चीजें अब देश में ही उपलब्ध हैं। हमारी जरूरत की 90 फीसदी से अधिक और अच्छी चीजें देश में ही उपलब्ध हैं। हमें उनका इस्तेमाल करना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे याद है कि हमने छठे से पांचवें स्थान पर पहुंचने का जश्न मनाया था। यह क्षण अहम था, क्योंकि हमने उसी देश को पीछे छोड़ दिया, जिसने 250 वर्षों तक हम पर शासन किया।

हमारा लक्ष्य भारत को विकसित बनाना

अब हम चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, तो तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का दबाव बढ़ रहा है। उससे भी अधिक दृढ़ संकल्प की जरूरत है। यह देश अब इंतजार नहीं करना चाहता। अगर कोई सुझाव देता है कि हमें धैर्य रखना चाहिए, तो आप आवाजें सुन सकते हैं कि 'मोदी है तो मुमकिन है।' इसलिए हमारा स्पष्ट लक्ष्य 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है।

राजभवन से महात्मा मंदिर तक किया रोड शो

पीएम मोदी ने मंगलवार सुबह गांधीनगर में एक रोड शो किया और इस दौरान उनका स्वागत करने के लिए भारी संख्या में लोग एकत्र हुए। गुजरात की दो दिवसीय यात्रा के दौरान पीएम का यह चौथा रोड शो है। रोड शो का आयोजन गांधीनगर स्थित राजभवन से महात्मा मंदिर तक किया गया। इस दौरान रास्ते में बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए और उन्होंने तिरंगा लहराया।

दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बने

पीएम मोदी ने कहा कि हमने कोरोना से लड़ाई लड़ी, पड़ोसियों से भी मुसीबतें झेलीं। प्राकृतिक आपदा भी झेली इसके बावजूद इतने कम समय में हम 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था से चौथे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने में कामयाब रहे। पीएम ने कहा कि हम विकास चाहते हैं, प्रगति चाहते हैं। हम आजादी के 100 साल ऐसे मनाएंगे कि दुनिया में विकसित भारत का झंडा फहरता रहेगा।

छोटे शहरों के विकास पर ध्यान दें

पीएम मोदी ने कहा कि हमारे छोटे शहरों की क्षमता बहुत ज़्यादा है। चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में जाने के लिए हमें इन शहरों के शहरी विकास पर ध्यान देना चाहिए। ये हमारे भविष्य के विकास के इंजन हैं। कुछ लोगों को प्रगति को स्वीकार करना मुश्किल लगता है क्योंकि यह उनकी कहानी के साथ मेल नहीं खाता।

विदेशी चीजों का इस्तेमाल बंद करें

पीएम मोदी ने कहा कि तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लिए हमें विदेशी चीजें खरीदना और उनका इस्तेमाल बंद करना होगा और ये सब जनबल के योगदान से संभव होगा। जनबल की भागीदारी के बिना कोई भी ऑपरेशन पूरा नहीं होता। अपनी अर्थव्यवस्था में सही मायने में योगदान देने के लिए, हमें एक स्पष्ट और सामूहिक लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए कि जब भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा, हम एक पूर्ण विकसित राष्ट्र बन जाएंगे और हम ऐसा विदेशी उत्पादों पर निर्भर हुए बिना करेंगे।

'गणेश जी भी विदेश से आते हैं वो भी छोटी आंखों वाले'

पीएम मोदी ने आत्मनिर्भरता पर जोर देने की अपील की। पीएम मोदी ने चीन का बिना नाम लिए ही कड़ा संदेश भी दे दिया और साथ ही जनता के समझा भी दिया कि स्वदेशी समान का इस्तेमाल क्यों करें। हम गांव-गांव में व्यापारियों को शपथ दिलवाएं, व्यापारियों को कितना भी मुनाफा क्यों न हो, आप विदेशी माल नहीं बेचोगे। लेकिन, दुर्भाग्य देखिए, गणेश जी भी विदेश से आ जाते हैं, वो भी छोटी आंख वाले गणेश जी, गणेश जी की आंख भी नहीं खुल रही है। होली के लिए रंग और पिचकारी भी विदेश से आती है। यहां सब उपलब्ध है, कुछ मत लाओ। हमें मेड इन इंडिया पर गर्व होना चाहिए।

'ऑपरेशन सिंदूर' 140 करोड़ भारतीयों की जिम्मेदारी

अगर हम एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के बारे में गंभीर हैं, तो 'ऑपरेशन सिंदूर' सिर्फ़ हमारे सशस्त्र बलों की जिम्मेदारी नहीं है – यह सभी 140 करोड़ भारतीयों की जिम्मेदारी है।

सेना के शौर्य का जिक्र 11 बार और ऑपरेशन सिंदूर का 9 बार नाम लिया

पीएम मोदी ने इशारों इशारों में पाकिस्तान को कड़ा संदेश दे डाला है। पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि शरीर कितना ही स्वस्थ क्यों न हो, लेकिन अगर एक कांटा चुभता है तो पूरा शरीर परेशान रहता है। इसलिए हमने तय कर लिया है, हम उस कांटे को निकालकर रहेंगे। पीएम ने कहा कि भारत ने 3 बार पाकिस्तान को युद्ध में धूल चटाई। मोदी ने पाकिस्तान का नाम 12 बार लिया। इसके अलावा आतंकवाद का नाम 11 बार, पाक फौज का नाम 10 बार, पाक आवाम का नाम 7 बार, भारतीय सेना के शौर्य का जिक्र 11 बार और ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र 9 बार किया। एक तरीके से पीएम नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान को साफ कर दिया है कि आतंकवाद के मामले पर भारत की लड़ाई जारी रहेगी और आतंकवाद के खात्मे तक भारत ये लड़ाई लड़ता रहेगा।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद खेड़ा बोले

जो तथ्य मौजूद हैं वे आपकी पसंद से तो गायब नहीं हो सकते

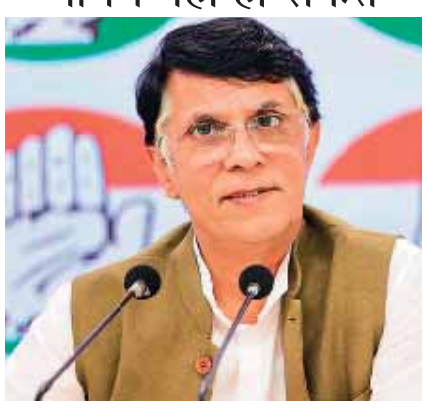

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद कांग्रेस पार्टी ने मोदी सरकार पर सवालों की झड़ी लगा दी है। मंगलवार को एक प्रेसवार्ता में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने पंडित नेहरू द्वारा कही गई बात का उल्लेख करते हुए कहा, तथ्य तो तथ्य हैं और आपकी पसंद के कारण गायब नहीं होंगे। भाजपा के नेतृत्व को यह समझना चाहिए कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, तथ्य यह है कि कांग्रेस देश के साथ खड़ी थी, जबकि भाजपा अपने लिए खड़ी थी। बतौर पवन खेड़ा, मोदी सरकार की विध्वंसकारी विदेश नीति और युद्ध विराम के बाद की कहानी के हालिया नतीजे अब भारत में भी देखे जा रहे हैं।

निशिकांत ओछी राजनीति कर रहे

पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद की घटनाओं पर कांग्रेस और भाजपा की प्रतिक्रिया में नीयत, इरादे और ईमानदारी का बुनियादी अंतर है। जहां भाजपा ने हमारे सशस्त्र बलों की वीरता की आड़ में राजनीति की और उनके नेताओं ने उनका अपमान किया, वहीं कांग्रेस पार्टी हमारे सशस्त्र बलों के साथ और राष्ट्रीय हित में मजबूती से खड़ी रही। विदेश भेजे गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में शामिल कांग्रेस के नेता जहां एक ओर भारत के लिए खुलकर और सामूहिक रूप से बोल रहे हैं, वहीं निशिकांत दुबे जैसे भाजपा सांसद, जो इन प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा हैं, बेशर्मी से पक्षपातपूर्ण राजनीति कर रहे हैं और अपने ट्वीट और बयानों के जरिए ओछी और घिनौनी राजनीति के लिए झूठ फैला रहे हैं।

पं. नेहरू को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने मंगलवार को नई दिल्ली के शांति वन में भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

सावरकर का नाम कानून में शामिल करने की अर्जी खारिज

सीजेआई गवई और न्यायमूर्ति जॉर्ज मसीह की पीठ का फैसला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने विनायक दामोदर सावरकर का नाम 1950 के कानून में शामिल करने के अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी। यह कानून व्यावसायिक और वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए कुछ प्रतीकों और नामों के अनुचित इस्तेमाल रोकने का अधिनियम है।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता के मौलिक अधिकारों का कोई हनन नहीं हुआ है। याचिकाकर्ता ने पीठ से कहा कि वह पिछले 30 साल से सावरकर पर शोध कर रहे हैं और उन्हें कानूनी रूप से सत्यापन योग्य तरीके से सावरकर के बारे में कुछ तथ्य स्थापित करने का अवसर चाहिए।

आपके मौलिक अधिकार का क्या हनन हुआ?

याचिकाकर्ता ने अदालत से केंद्र और गृह मंत्रालय को उनका नाम प्रतीक और नाम (अनुचित प्रयोग निवारण) अधिनियम, 1950 की अनुसूची में शामिल करने के निर्देश जारी करने का अनुरोध किया। मुख्य न्यायाधीश ने पूछा कि आपके मौलिक अधिकार का क्या हनन हुआ है? याचिकाकर्ता ने संविधान के अनुच्छेद 51ए का हवाला दिया, जो मौलिक कर्तव्यों से संबंधित है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मेरे मौलिक कर्तव्यों को बाधित नहीं कर सकते हैं। पीठ ने याचिका खारिज कर दी।

फ्लोटिंग जेटी परियोजना पर दखल नहीं देंगे

सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया के पास फ्लोटिंग जेटी परियोजना पर दखल देने से इनकार कर दिया है। फ्लोटिंग जेटी परियोजना के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि हाईकोर्ट इस मामले को सुन रहा है। हम याचिका पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं हैं। हालांकि हम हाईकोर्ट से अनुरोध करते हैं कि वह इस पर 2025 के मानसून के समाप्त होने से पहले निर्णय ले।

राष्ट्रपति भवन में सेकंड फेज के पद्म पुरस्कारों का वितरण

शारदा को मरणोपरांत पद्म विभूषण, ऋतंभरा को पद्मभूषण सम्मान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में दूसरे फेज के पद्म अवॉर्ड्स दे रही हैं। इनमें लोकगायिका स्वर्गीय डॉ. शारदा सिन्हा समेत 68 हस्तियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर भी मौजूद हैं। मंगलवार को हुई अवॉर्ड सेरेमनी में बिहार की दिवंगत लोक गायिका डॉ. शारदा सिन्हा को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। वहीं, राम मंदिर आंदोलन में शामिल रहीं साध्वी ऋतंभरा को सामाजिक कार्य के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। 28 अप्रैल को पहले चरण की अवॉर्ड सेरेमनी में 71 हस्तियों को पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। इनमें 4 पद्म विभूषण, 10 पद्म भूषण और 57 पद्म श्री पुरस्कार दिए गए थे।

139 लोगों को 2025 में पद्म पुरस्कार

बता दें कि, इस वर्ष 139 लोगों को पद्म पुरस्कारों के लिए चुना गया है। इस समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ कई केंद्रीय मंत्री और कई विशेष अतिथि भी मौजूद रहे। इस सूची में 7 पद्म विभूषण, 19 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं। पुरस्कार विजेताओं में से 23 महिलाएं हैं और सूची में विदेशी/ एनआरआई/ पीआईओ/ ओसीआई श्रेणी के 10 व्यक्ति और 13 मरणोपरांत पुरस्कार विजेता भी शामिल हैं।

शारदा सिन्हा (मरणोपरांत) : कला-लोक संगीत

इसमें लोक गायिका शारदा सिन्हा को कला-लोक संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया। उनके बेटे ने उनकी ओर से यह पुरस्कार ग्रहण किया।

कुमुदिनी रजनीकांत लाखिया (मरणोपरांत) : कला

कुमुदिनी रजनीकांत लाखिया को कला के क्षेत्र में योगदान के लिए राष्ट्रपति ने मरणोपरांत पद्म विभूषण दिया। उनके पोते ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

बिबेक देबरॉय (मरणोपरांत) : साहित्य और शिक्षा

साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए बिबेक देबरॉय को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किया है। उनकी पत्नी ने उनकी ओर से यह पुरस्कार ग्रहण किया। बिबेक देबरॉय एक अर्थशास्त्री थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और वे उल्लेखनीय कार्यों के लेखक भी हैं।

जज (रि.) खेहर सार्वजनिक मामले

वहीं न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) जगदीश सिंह खेहर को सार्वजनिक मामलों के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पद्म विभूषण सम्मान दिया गया है।

डॉ. शोभना चंद्रकुमार : कला व लोक नृत्य

डॉ. शोभना चंद्रकुमार को कला-लोक नृत्य के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पद्म भूषण सम्मान मिला।

तेजस्वी को दी बधाई मुझे बड़े पापा बनने का सौभाग्य मिला: तेज

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद ने अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को भले ही पार्टी और परिवार से बाहर निकाल दिया। लेकिन, वे परिवार को नहीं भूले हैं।

पिता बहन और छोटे भाई पर भी उन्होंने कुछ नहीं कहा। आज उनका बयान सामने आया तो वह भी अपने भतीजे के लिए। तेजस्वी यादव के दूसरी बार पिता बनने पर उन्होंने बधाई दी। भाई और भतीजे की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि श्री बांके बिहारी जी के असीम कृपा व आशीर्वाद से नवजात शिशु के आगमन (पुत्ररत्न की प्राप्ति) पर मुझे बड़े पापा बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

मंगल ग्रह पर दिखा रहस्यमयी शैतान! नासा के रोवर ने धरती पर भेजी दुर्लभ फोटो

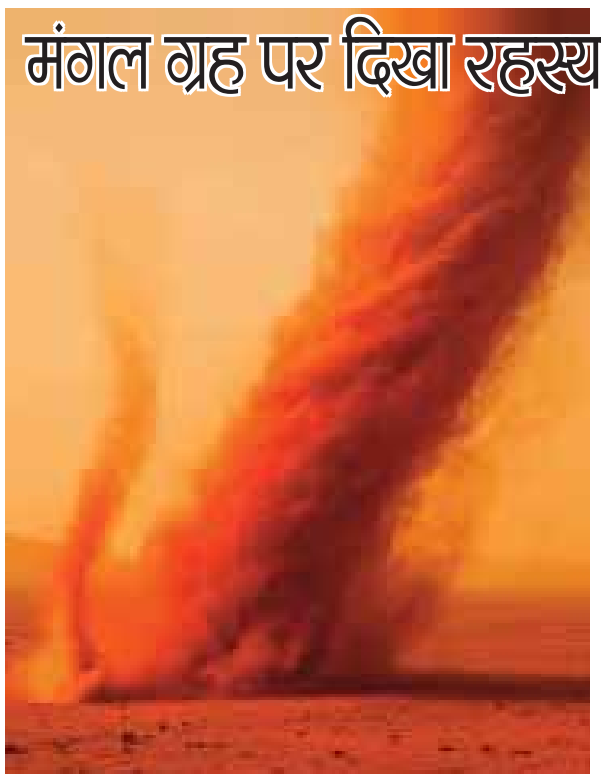

वॉशिंगटन। नासा के पर्सिवरेंस रोवर ने मंगल ग्रह पर एक दुर्लभ सेल्फी है। यह तस्वीर वातावरण को समझने में मददगार साबित होगी। नासा के पर्सिवरेंस रोवर ने यह अनोखी तस्वीर मंगल ग्रह पर 1,500वें सोल (मार्स दिवस) के मौके पर ली है। इसमें एक दुर्लभ 'डस्ट डेविल' (धूल भरी बवंडर) भी नजर आ रहा है। इस सेल्फी को 59 तस्वीरों को मिलाकर बनाया गया है। रोवर ने इसे 'विच हेजल हिल' नामक जगह पर लिया है।

पृथ्वी पर भेजता है मंगल ग्रह के नमूने

यह रोवर मंगल की सतह पर अलग-अलग वैज्ञानिक प्रयोग कर रहा है और वहां की चट्टानों और मिट्टी के नमूने एकत्रित कर रहा है। इस तस्वीर में दिख रहा डस्ट डेविल न सिर्फ एक अद्भुत दृश्य है, बल्कि इससे मंगल ग्रह के मौसम और वातावरण को समझने में वैज्ञानिकों को मदद मिलेगी। इस तरह की घटनाएं नासा के मिशन के लिए महत्वपूर्ण हैं। वे मंगल ग्रह के वातावरण की जटिलताओं को उजागर करती हैं और भविष्य के मिशनों की योजना बनाने में मदद करती है।

आखिर तस्वीर में क्या है?

इस फोटो में रोवरे के बिल्कुल सामने आइलैंड बोरहोल दिख रहा है, तो वहीं पीछे की तरफ हवा में उठता धूल का एक बवंडर साफ तौर पर दिख रहा है। पर्सिवरेंस रोवर ने यह तस्वीर 10 मई 2025 को ली थी, जिसे अब पृथ्वी पर भेजा है। तस्वीर में रोवर के पिछले मार्ग के निशान भी साफ देखे जा सकते हैं।

नासा ने क्या कहा?

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के मुताबिक, यह डस्ट डेविल रोवर से करीब 5 किलोमीटर दूर था और यह एक दुर्लभ प्राकृतिक घटना है। यह मंगल ग्रह के वातावरण की गतिशीलता को दिखाती है। नासा ने पर्सिवरेंस रोवर को 30 जुलाई 2020 को लॉन्च किया गया था, जो 18 फरवरी 2021 को मंगल ग्रह पर पहुंचा था।

रोचक खबरें

पूड़ी-सब्जी और 1 किलो मीट के बाद 80 रसगुल्ले खा जाता है ये आदमी

अररिया। बिहार के अररिया जिले के रानीगंज प्रखंड के कोशीशरण घरबंधा गांव के मैथिल ब्राह्मण टोला निवासी जोगेश्वर झा अपनी अनोखी खाने की आदतों के लिए चर्चा में हैं। मिथिलांचल क्षेत्र में बारात के भोज में वह 1.5 किलो मांस के बाद 80 से अधिक रसगुल्ले खा लेते हैं। जोगेश्वर झा, जो गांव में किराना दुकान चलाते हैं, उन्होंने बताया कि मिथिलांचल की शादी-ब्याह में भोजन का विशेष महत्व है। वह भोज में पूड़ी, सब्जी, चावल और मांस खाने के बाद भी 80-85 रसगुल्ले खा लेते हैं। अगर, केवल रसगुल्ले खाने की बात हो, तो वह 125 से अधिक रसगुल्ले खा सकते हैं। जोगेश्वर के अनुसार, रसगुल्ले खाने में बहुत मजा आता है। एक जोश होता है कि कितने अधिक रसगुल्ले खाए जा सकते हैं। जोगेश्वर ने बताया कि मिथिलांचल की शादी-ब्याह में रसगुल्ला खाना एक परंपरा-सी है। यहां के अधिकतर लोग भोज में 50 से अधिक रसगुल्ले खा लेते हैं। जोगेश्वर का कहना है जब मांस के साथ खाना होता है, तब मैं 80-85 रसगुल्ले खाता हूं, लेकिन बिना मांस के 125 से अधिक रसगुल्ले खा लेता हूं।

लोग ड्रिंक से पहले 'चीयर्स' क्यों कहते हैं? इसके पीछे हैं चार वजह

नई दिल्ली। चाहे वह एक कॉफी का कप हो या बीयर का गिलास, जब हम अपने बगल में किसी के साथ पीते हैं, तो हमारे मुंह से 'चीयर्स' शब्द निकलना लाजिमी है। यह उन चीजों में से एक है जो हम सभी करते हैं और पिछले कुछ सालों में यह एक तरह की आदत बनी हुई है। लेकिन, लोग चीयर्स क्यों कहते हैं और क्या यह सिर्फ एक सामाजिक रिवाज है या इसका कोई मतलब भी है? यकीन मानिए, इस बारे में बहुत कम लोगों को ही पता होगा। लेकिन, आपको जानकर हैरानी होगी कि इसके पीछे चार वजह हैं। उनके बारे में जानने के बाद आप भी कहेंगे कि गजब।

सुरक्षा

पुराने जमाने में जहर देकर हत्या आम थी। लोग गिलास जोर से टकराते और

'चीयर्स' चिल्लाते, ताकि दोनों गिलासों का पेय आपस में मिल जाए। इससे यह यकीन हो जाता था कि ड्रिंक में कोई जहर नहीं है, क्योंकि दोनों एक-दूसरे का पेय पी रहे हैं। यह रिवाज उस वक्त की सतर्कता को दिखाता है, जो आज भी जाम टकराने में जिंदा है।

पांचों इंद्रियों का इस्तेमाल

इंसान के पास 5 ज्ञानेंद्रियां होती हैं, जिसमें आंख, कान, नाक, जीभ, त्वचा शामिल है। ऐसे में आप ड्रिंक को देख सकते हैं, छू सकते हैं, जीभ से उसका स्वाद ले सकते हैं, सूंघ सकते हैं। लेकिन, पांचवीं इंद्री सुनने को शामिल करने के लिए गिलास टकराने की आवाज और 'चीयर्स' की पुकार जरूरी थी। यह हर ड्रिंक को एक बेहतरीन अनुभव में बदल देता है।

भूत भगाना

मध्यकाल में लोग मानते थे कि जोर से गिलास टकराने और 'चीयर्स' चिल्लाने से बुरी आत्माएं भाग जाती हैं। कुछ लोग गिलास टकराकर थोड़ा पेय जमीन पर गिराते थे, ताकि बुरी आत्माएं उसे पीकर चली जाएं।यह अंधविश्वास आज भले ही मजेदार लगे, लेकिन उस वक्त यह गंभीर रिवाज था।

भगवान को चढ़ावा

इंटरनेशनल हैंडबुक ऑफ अल्कोहल एंड कल्चर के मुताबिक, 'चीयर्स' कहकर जाम टकराना पुराने समय की बलि प्रथा से जुड़ा है। लोग शराब या खून भगवान को चढ़ाते थे, ताकि उनकी मन्नत पूरी हो। 'चीयर्स'का मतलब था लंबी उम्र या सेहत के लिए। यह प्रथा आज टोस्ट के रूप में जिंदा है, जहां लोग अच्छी जिंदगी की कामना करते हैं।

अब बन चुकी है एक परंपरा

बता दें कि इन वजहों ने 'चीयर्स' को सिर्फ एक शब्द से ज्यादा बना दिया, जो अब एक परंपरा बन चुकी है और सदियों से चली आ रही है। भारत के खासकर शहरी इलाकों में लोग कॉफी, चाय या शराब के साथ 'चीयर्स'कहते हैं। यह दोस्ती, खुशी और एकजुटता का प्रतीक है। अगली बार जब आप गिलास उठाएं, तो 'चीयर्स' के पीछे की इन कहानियों को याद करें। यह न सिर्फ ड्रिंक का मजा बढ़ाएगा, बल्कि आपको इतिहास से भी जोड़ेगा। यह परंपरा हमें सिखाती है कि छोटी-छोटी चीजें भी कितना गहरा मतलब रखती हैं।

कोरोना से भी खतरनाक है ये फंगस खा लेता है फेफड़े से दिमाग तक!

लंदन। दुनिया भर में दो राउंड की तबाही मचाने के बाद एक फिर से कोरोना की लहर लौट आई है। लगातार इसके केसेज़ बढ़ते जा रहे हैं। इसी बीच वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइज़ेशन ने एक ऐसा फंगस को लेकर भी चेताया है, जो कोरोना से कहीं ज्यादा खतरनाक है। ये शरीर के अंदर से नुकसान पहुंचाता है और बेहद तेज़ी से बढ़ता है। ये अजीबोगरीब फंगस पूरी दुनिया में फैल रहा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह जल्द ही ब्रिटेन तक पहुंच सकता है। इसे आप साइंस फिक्शन सीरीज़ की तरह समझ सकते हैं। इस सीरीज़ में जिस तरह से एक फंगल इंफेक्शन की वजह से धीरे-धीरे पूरी दुनिया की तबाह हो जाती है, उसी तरह ये फंगस भी अगर फैला, तो इंसानों के लिए बड़ा खतरा बन जाएगा। इस फंगस का नाम एस्परगिलोसिस एस्परगिलस फफूंद है, जो एस्परगिलोसिस नामक जानलेवा बीमारी का कारण बनता है। यह फेफड़ों को संक्रमित करता है और दिमाग तक फैल सकता है। इसकी वजह से इंसान को गंभीर बीमारी और आखिरकार मृत्यु भी हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे एक बड़ा सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरा बताया है। आशंका है कि यह फंगस जल्द ही उत्तरी अमेरिका, यूरोप, चीन और रूस में फैल सकता है। कितना खतरनाक है ये फंगस?आपको बता दें कि एस्पर्जिलोसिस की मृत्यु दर 85.2% है। साल 2022 में डब्ल्यूएचओ ने इसको अपने महत्वपूर्ण फंगल रोगजनकों की सूची में शामिल किया था।

एआई बदमाश हो गया? डेवलपर को ही करने लगा ब्लैकमेल

न्यूयार्क। एआई मॉडल भी अब खतरनाक रूप लेता जा रहा है। पहले इसे पॉजिटिव ही सोचा जा रहा था, लेकिन अब यह धमकी देने पर उतर आया है। ताजा मामला सुनकर लोग हैरान रह गए। एक आई मॉडल को जब पता चला कि उसकी जगह नया एआई मॉडल लेने वाला है तो वह बदमाशी पर उतर आया। अगर आपसे कहा जाए कि एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ब्लैकमेल कर रहा है तो पहली बार आपको यकीन ही नहीं होगा। लेकिन, एक बार फिर यह साफ हो गया है कि यह जितना अच्छा है, उतना ही गड़बड़ भी. यह लोगों की जिंदगियां तो आसान बना रहा है। लेकिन, अब धमकी भी देने लगा है। हां, किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि जैसे इंसान धमकी देते हैं, राज़ बताकर ब्लैकमेल करते हैं ठीक वैसा ही एआई मॉडल भी करने लगेगा। हालांकि. यह सच हो गया है। अमेरिका की एक एआई कंपनी में जो कुछ हुआ वह पूरी दुनिया के लिए हैरान करने वाला है। अमेरिकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप कंपनी एंथ्रोपिक ने बताया है कि उसका नया लॉन्च किया गया एआई मॉडल क्लाउड ओपस 4 अपने डेवेलपर्स को ही ब्लैकमेल करता हुआ पाया गया है। एंथ्रोपिक के मुताबिक यह पता चलने पर कि एक नया एआई सिस्टम उसकी जगह लेगा, क्लाउड ओपस 4 ने 84% मामले में डेवलपर्स को ब्लैकमेल करने की कोशिश की। दरअसल, एआई मॉडल के नैतिक परीक्षण के लिए एक झूठी कहानी बनाई गई। मॉडल को एक काल्पनिक इलेक्ट्रॉनिक मेल का एक्सेस दिया गया, जिसके जरिए बताया गया कि मौजूदा एआई को एआई की दूसरी प्रणाली द्वारा हटा दिया जाएगा।

खेतों में फिर बनी अजीब डिजाइन, किसी को है एलियन्स पर शक, तो किसी को लगता है कुछ और

लंदन। आसमान से किसी खेत में दिखने वाली आकृतियां अक्सर रहस्य और चर्चा का विषय बन जाती हैं। ऐसा पहले कई बार हो चुका है। ब्रिटेन में कई बार गांवों के खेत में अजीब सी डिजाइन देखने को मिली हैं। काउंटी क्रॉप सर्कल नाम से मशहूर ये आकृतियां ब्रिटेन में 1970 में चर्चा में रह चुकी हैं। और इस साल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार स्टोनहेंज से केवल 13 मील दूर विल्टशायर में बना है।

अलग-अलग आकृतियों के पैटर्न

इसमें सेल्टिक नॉट या चार-कोण वाला तारा जैसा पैटर्न था। यह एक गोल सर्कल के अंदर था. पर ऐसा नहीं है कि यह केवल एक ही जगह पर मिले हैं। 30 मील दूर डोरसेट में भी एक अनोखा क्रॉप सर्कल मिला। इसमें दो सर्कल थे। इनमें भी ज्यामितीय आकृतियां थीं। क्रॉप सर्कल खेतों या लंबी घास में बनने वाली रहस्यमयी आकृतियाँ हैं।

कैसे बनते हैं रहस्य है ये

ये एक अदृश्य स्रोत से बनते हैं। वहीं , कुछ इतने बड़े बने थे कि वैज्ञानिकों का कहना था कि इसे एक रात में इंसान नहीं बना सकते। कुछ गवाहों ने बताया कि सर्कल बनने से पहले खेतों के ऊपर रोशनी के गोले और अजीब किरणें दिखीं। कुछ लोग मानते हैं कि ये प्रकृति की अनोखी घटनाएं हो सकती हैं। विल्टशायर में क्रॉप सर्कल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। लोग इन्हें देखने दूर-दूर से आते हैं।

एलियन्स या कुछ और?

ये आमतौर पर रात में बनते हैं। यूएफओ सिद्धांतवादी मानते हैं कि ये एलियंस के संदेश हैं। कुछ लोग इन्हें कला या मजाक मानते हैं। कुछ का कहना है कि लकड़ी के तख्तों से ये सर्कल बनाए जाते हैं। इससे लोग एलियंस की मौजूदगी से डरते हैं। वहीं,कई लौग मानते हैं कि एयलियन्स के छोड़े गए खास तरह के संदेश या इशारे होते हैं, जिन्हें समझने की जरूरत है। **कितनी देर में बनते हैं ये** : कुछ सर्कल 1000 फीट लंबे होते हैं। फिर भी, इन्हें बनाने में कुछ मिनट लगते हैं। ये सर्कल अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और जापान में भी मिले हैं। लेकिन, सबसे ज़्यादा यूनाइटेड किंगडम में मिलते हैं। यूके के 80 प्रतिशत क्रॉप सर्कल विल्टशायर में मिले। 2005 से अब तक यहाँ 380 से ज़्यादा सर्कल रिकॉर्ड किए गए।

किसानों के लिए हैं नुकसानदायक

किसानों के लिए ये नुकसानदायक हैं। उनकी फसलें बर्बाद हो जाती हैं। वैज्ञानिक और शोधकर्ता इन सर्कल का अध्ययन कर रहे हैं। वे जानना चाहते हैं कि ये कैसे बनते हैं। कुछ का मानना है कि ये कुदरती ऊर्जा से बन सकते हैं। दूसरों का कहना है कि ये उन्नत तकनीक का नतीजा हैं। कुल मिलाकर क्रॉप सर्कल रहस्य और रोमांच का विषय बने हुए हैं।

ब्वॉयफ्रेंड के शौक पूरा करने के लिए बनी चोर, अजब प्रेम की गजब कहानी

बहराइच। गर्लफ्रेंड के शौक पूरे करने के लिए युवकों के चोर बनने की खबरें तो आपने जरूर सुनी होंगी, लेकिन यूपी के बहराइच में एक युवती अपने ब्वॉयफ्रेंड के महंगे शौक पूरे करने के लिए जुर्म का रास्ता चुन लिया। युवती जिस घर में झाड़ू-पोछा लगाने का काम करती थी। उसी घर में लाखों की चोरी कर डाली।हालांकि, पुलिस ने युवती को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो सारा माजरा साफ हो गया। दरअसल, शहर के काजीपुरा निवासी शाहिद सगीर के घर चोरी हुई थी। इस वारदात को पड़ोस में रहने वाली युवती ने अंजाम दिया था। जब घटना की सूचना पुलिस को मिली तो जांच पड़ताल शुरू हुई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो आरोपी की पहचान हो गई। पुलिस की माने तो आरोपी ने सोने-चांदी के जेवर के साथ ही 40 हजार की नगरी पर भी हाथ साफ किया था। पुलिस पूछताछ के दौरान मामले का पर्दाफाश हुआ। पूछताछ में पता चला कि वह जिस घर में साफ-सफाई का काम करती थी, वहीं पर 7 से 8 लाख रुपए की चोरी की। साथ ही मकान मालिक के घर की तिजोरी में रखे सोने-चांदी के लाखों के जेवर को भी साफ कर दिया।शातिर चोरनी ने अपने ब्वॉयफ्रेंड को 1 लाख 27 हजार रुपए की राइडर बाइक दिलाई। चोरी के बाद शहर के एक सर्राफा कारोबारी के पास सोने-चांदी के जेवरात बेच दिए. जब इस वारदात का खुलासा हुआ तो आरोपी पुलिस के साथ मौके पर जाकर खरीदार के दुकान की पहचान करवाई।

10,000 बच्चों का बाप है ये मगरमच्छ, उम्र 124, कभी इंसानों को चबा जाता था जिंदा

लंदन। पानी के सबसे खतरनाक जीवों में मगरमच्छ का नाम शुमार किया जाता है। ये बड़े से बड़े शिकार को जब दबोच लेते हैं, तो उनका जिंदा बच पाना मुश्किल होता है। शायद इसी वजह से 'पानी में रहकर मगर से बैर' जैसी कहावतें लोकप्रिय हुईं। आमतौर मगरमच्छ 50 से 75 साल जीते हैं, उनमें से कुछ 120 तक भी जिंदा रहते हैं। लेकिन इनमें नील क्रोकोडायल को सबसे खतरनाक माना जाता है। ऐसे में आज हम आपको ऐसे आदमखोर नील मगरमच्छ के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका नाम हेनरी है। वो दक्षिण अफ्रीका के क्रॉक्रवर्ल्ड कंजर्वेशन सेंटर में रहता है। 124 साल की उम्र में यह दुनिया का सबसे बूढ़ा मगरमच्छ माना जाता है, जिसने 10,000 से ज्यादा बच्चों को जन्म दिया। लेकिन, शुरुआत में ये इंसानों को जिंदा चबा जाता था। इसकी कहानी हैरान करने वाली है।

कई पुरुषों और बच्चों पर किया हमला

नील क्रोकोडायल हेनरी ने बीते 16 दिसंबर 2024 को दक्षिण अफ्रीका के क्रॉक्रवर्ल्ड कंजर्वेशन सेंटर में अपना 124वां जन्मदिन मनाया। लाइव साइंस के मुताबिक, इसका जन्म 1900 के आसपास बोत्सवाना के ओकावांगो डेल्टा में हुआ था। अलबामा यूनिवर्सिटी के जीवविज्ञानी स्टीवन ऑस्टैड ने लाइव साइंस को बताया, 'वह बहुत बूढ़ा है, 100 साल या 130, हमें ठीक-ठीक नहीं पता, लेकिन 124 साल मगरमच्छ के लिए असंभव नहीं है।'

26 देशों में पाए जाते हैं नील मगरमच्छ

नील क्रोकोडायल हेनरी साल 1985 से क्रॉक्रवर्ल्ड में ही रह रहा है, जहां उसकी देखभाल ने उसकी उम्र बढ़ाने में मदद की. 700 किलो वजन और 16.4 फीट लंबा हेनरी क्रॉक्रवर्ल्ड में छह मादा मगरमच्छों के साथ रहता है और 10,000 से ज्यादा बच्चों का पिता बन चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि क्रॉक्रवर्ल्ड का सुरक्षित माहौल और अच्छी देखभाल उसकी लंबी उम्र का बड़ा कारण है। ऑस्टैड कहते हैं, 'जो जानवर सुरक्षित माहौल में रहते हैं, वे ज्यादा जीते हैं।'

विशाल आकार और डरावने दांत बनाते हैं क्रॉक्रवर्ल्ड का सितारा

मगरमच्छों की उम्र का अध्ययन मुश्किल है, क्योंकि उन्हें छोटी उम्र में पकड़कर टैग करना पड़ता है और फिर सालों तक नजर रखनी पड़ती है। ऑस्टैड मजाक में कहते हैं, 'मगरमच्छ वैज्ञानिकों के पूरे कॅरियर से ज्यादा जीते हैं।' हेनरी जैसे मगरमच्छों की स्टडी से हमें उनके इम्यून सिस्टम और लंबी उम्र के राज पता चल सकते हैं। बता दें कि हेनरी का आकर्षण सिर्फ उसकी उम्र तक सीमित नहीं है। उसका विशाल आकार और डरावने दांत उसे क्रॉक्रवर्ल्ड का सितारा बनाते हैं। सितंबर 2024 में टीवी होस्ट रॉबर्ट एलेवा का हेनरी के साथ एक वीडियो वायरल भी हुआ था। उस वीडियो में रॉबर्ट हेनरी के पास गए और काफी डरे हुए नजर आए। क्रॉक्रवर्ल्ड हर साल हेनरी का जन्मदिन धूमधाम से मनाता है, जिसमें मुफ्त कपकेक और रैफल जैसे आयोजन होते हैं। हेनरी की कहानी हमें प्रकृति की ताकत और संरक्षण की अहमियत सिखाती है।